

भागवत कथा - 15

तारा कुशवाहा (B.com.)

झाँसी की 21 साल की तारा कुशवाहा ने भागवत की एक नई कहानी लिखी। तारा ने अपनी ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी करने के बाद अपनी आध्यात्मिक रुचि को पूरा करने का ठान लिया। आध्यात्मिक विश्वविद्यालय द्वारा दिए जाने वाले सहज राजयोग का साप्ताहिक कोर्स करने के बाद तारा के दिल की धड़कनों से एक ही आवाज़ गुंजी- “पाना था सो पा लिया” और तारा ने निश्चय कर लिया कि वह आजीवन पवित्रता का पालन करते हुए आध्यात्मिक ज्ञान के प्रचार-प्रसार में ही अपना जीवन व्यतीत करेगी। तारा ने अपना यह निर्णय पिता मथुरा प्रसाद व माता रामवती को बताया; लेकिन उन्होंने तारा के आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में रहने के निर्णय का कड़ा विरोध किया।

Bhagawat Story-15:

Tara kushvah:

Tara Kushvaha, aged 21 years has authored a new story of Bhagawat. Tara has aimed at acquisition of spiritual knowledge following completion of her graduation. It was after 7 day course of Rajayog at Adhyatmik Vishwa Vidyalaya the rhythm of her heart resounded; “I have achieved what needed to be achieved”. She concluded affirm, to lead a pure life; lifelong and engage herself in spreading the Spiritual Knowledge. She has conveyed her decision to her father Mathura Prasad and mother Ramvati. However, they bluntly dammed her decision to join Adhyatmik Vishwa Vidyalaya.

अब नदी को बाँध भी डालोगे तो भी एक-न-एक दिन वह अपने आवेग से उसको तोड़कर निकल ही जाएगी, तारा ने भी कुछ ऐसे ही किया। दिनांक 27.07.2012 को तारा ने अपनी स्वेच्छा से आध्यात्मिक विश्वविद्यालय, विजयविहार, दिल्ली में दाखिल होने के निर्णय के बारे में बताते हुए झाँसी पुलिस स्टेशन के पुलिस इन्चार्ज व सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस, झाँसी को एक पत्र भेजा और दिनांक 28.07.2012 को तारा ने अपनी स्वेच्छा से आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में दाखिला ले लिया और एक एफिडेविट भी आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में दिया। तुरंत दूसरे ही दिन तारा के माता-पिता व भाई आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की दिल्ली शाखा में आकर उससे बातचीत करके मिल-जुल कर चले गए।

An erection of dam in the way of fast flowing river ultimately destines a break through to collapse the manmade obstructions at one sometime or other. Tara has

done a similar activity. She has addressed the Station House Officer, Jhansi Police Station and the S.P of Jhansi on 27-07-2012, informing about her decision to join the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya, at Vijaya Vihar, Delhi at her own volition. And on the other day, on 28-07-2012, she joined the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya and willfully handed the "AVV" , an affidavit executed by her. The next day; the parents and brother of Tara have visited Tara; had a conversation with her at Adhyatmik Vishwa Vidyalaya, Delhi. The returned home.

लेकिन कहते हैं ना- “सुनी-सुनाई बातों से भारतवासियों ने दुर्गति को पाया है”। वैसा ही कुछ तारा के परिवार वालों के साथ हुआ। किसी ने तारा के मात-पिता के कान में आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के बारे में कुछ उल्टी-पुल्टी बातें डाल दीं और तारा के माता-पिता व भाई बहकावे में आकर 10-12 लोगों को साथ लेकर आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में आए और हंगामा करने लगे। उन्होंने आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के बहनों-माताओं के साथ गंदी गाली-गलौज की, विद्यालय पर झूठे आरोप लगाए और विद्यालय को बर्बाद करने की धमकी भी दी।

A famous proverb; the Indians reached a miserable stage by paying attention to hearsays. The family faced the same subsequently. Having got instilled and irritated by provocative and negative hearsays by some miscreants about Adhyatmik Vishwa Vidyalaya, rushed to "AVV" Delhi along with 10-12 people and started shouting. The created nuisance at the "AVV" by using abusive language with false allegations in the background of hearsays against the sisters and mothers of "AVV". They raised shouting that they would eradicate the entire "AVV".

जैसे-तैसे तारा ने अपने माता-पिता को समझाकर वापस भेज दिया। लेकिन दिनांक 27.10.2012 को तारा के माता-पिता 7-8 लोगों को लेकर फिर से आध्यात्मिक विश्वविद्यालय, दिल्ली में आए और फिर से गंदे आरोप लगाते हुए गाली-गलौज करने लगे और विद्यालय को बर्बाद करने की धमकियाँ देते रहे।

Tara could however pacify the entire situation by explaining the truth. In course of time, being unable to assimilate the truth amidst the hearsays, they again intruded into Adhyatmik Vishwa Vidyalaya , at Delhi along with 7-8 irritated people, repeating the nuisance, abuses, and threats to demolish the entire "AVV" ,etc.

जिस कारण पुलिस को बुलाया गया और पुलिस ने तारा के बयान दर्ज कर लिए। जिसमें तारा ने पुलिस को अपनी स्वेच्छा से राजी-खुशी आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में रहने की बात को दोहराया और यह भी बताया कि वह अपने मात-पिता के साथ नहीं जाना चाहती। उक्त घटना की शिकायत विद्यालय की

अनीता बहन ने दिनांक 30.10.2012 को S.H.O., Vijay Vihar Police Station, DCP, Outer District, Delhi व राज्य महिला आयोग, दिल्ली को पत्र भेजकर की; लेकिन पुलिस द्वारा न ही कोई पूछताछ की गई और न ही कोई कार्यवाही की गई।

Inevitably, the sisters at "AVV" had to call for police help. A statement of Tara has been recorded by the police officials wherein Tara has reiterated her firm attitude that she was residing with Adhyatmik Vishwa Vidyalaya happily and do not wish to follow her parents back to home. A complaint thereby narrating the entire incident, Anita bahan of the "AVV family" has addressed the Station House Officer, Vijaya Vihar Police Station, DCP, Outer District, Delhi and State Woman Commission. However there was neither any further enquiry by the police nor they have initiated any proceedings in this connection.

उक्त घटना के एक साल बाद दिनांक 22.10.2013 को तारा के माता-पिता, भाई, 15-20 पुरुष गुंडे, असहाय महिला शिशु एवं बाल कल्याण समिति नामक NGO की मुखिया परविंदर कौर व उसके अन्य सहयोगी विजय विहार पुलिस थाने की पुलिस के साथ आध्यात्मिक विश्वविद्यालय, विजयविहार दिल्ली में, कोई औपचारिक पूछताछ किए बगैर, ज़ोर-जबरदस्ती कन्याओं-माताओं के कमरे में घुस गए।

An year after; on 22-10-2013 , the parents of Tara, her brother along with 15-20 goons followed by one Parvinder said to be the in charge of the NGO named Helpless Woman and Children Savior Society, with some of their followers assisted by the Police of Vijaya Vihar have forcibly intruded in to the rooms of sisters and mothers of Adhyatmik Vishwa Vidyalaya, Delhi in the absence of any formal enquiry or notice.

पुलिस के पास कोई सर्च वॉरंट, नोटिस अथवा शिकायत नहीं थी। इन सबने विद्यालय में हुड़दंग मचाया और कन्याओं-माताओं के साथ निर्दयता व क्रूरता से पेश आए। सबने विद्यालय की कन्याओं-माताओं के सामने अश्लील शब्दों का प्रयोग किया व गंदी गाली-गलौज की। वे सब आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के बारे में झूठी-2 अफवाहें आम जनता में फैला रहे थे। बिना लेडीज़ पुलिस के सारे जेंट्स कन्याओं-माताओं के कमरों में घुसकर धमकियाँ दे रहे थे- “आशाराम बापू जैसे आपको भी फँसा देंगे, भंडाफोड़ कर देंगे सबका”।

The Police did'nt have any authorized search warrant with them. Neither there was any notice nor any complaint addressed to them. All these have created a havoc at the Vidyalaya and dealt with the girls and Matas of the "AVV" with haste and outlawed their dignities with abusive language and harsh approach beyond human

tolerance. They were spreading rumors among the public gathered about the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya. Having illegally intruded into the rooms of the resident girls and Matas of the "AVV", the police resorted to threaten them that they will project everything about the "AVV" open and implicate in allegations similar to Ashram bapu.

जब गिरिजा बहन ने उनसे पूछा कि आप लोग कहाँ से आए हैं तो उन्होंने जवाब दिया कि “शीला दीक्षित को जानते हो? हम लोग वहाँ से आए हैं, समझे”। घुसपैठियों ने विद्यालय में खुलेआम लूट मचाई और विद्यालय की कन्याओं के बारे में अभद्र बातें बोलते हुए उनको अपमानित व बेइज्जत किया व आम जनता को आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के खिलाफ भड़काकर विद्यालय की छवि को बदनाम करने की कोशिश की। पुलिस चुपचाप तमाशा देखती रही। गिरिजा बहन ने PCR कॉल करके पुलिस व घुसपैठियों की उक्त हरकतों की सूचना दी। आम जनता गेट तोड़ने पर आमादा हो गई; लेकिन आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के सदस्यों ने निर्भयता से भगवान की याद में आततायियों से डटकर मुकाबला किया।

When one of the sisters of the "AVV family" Girija bahan has questioned their antecedents, they responded; Do you know Sheela Dixit? We are from that place. The intruders have ransacked the in the "AVV"; they used abusive, unbearable and indecent language against the girls and mothers of the "AVV" , they defamed them, insulted them, they started provoking the general public against the "AVV" thereby causing damage to the reputations of the "AVV family". The police simply witnessed the episode with pleasure. Girija bahan has called the police control room for help thereby intimating about the havoc caused by the intruders and the police. A situation has developed to the extent that the general public attempted to break open the main iron doors of the "AVV". The "AVV family" could however face the intruders as well manage the situation with courage and stability in remembrance of Supreme God Father who always stands beside and rescue the "AVV family".

तारा बहन जो आध्यात्मिक सेवाओं में बाहर गई हुई थी, वह शाम को 4 बजे जैसे ही विजयविहार पहुँची, वह सीधा विजयविहार पुलिस थाने जाकर S.H.O. से मिली व उसने अपनी स्वेच्छा से और राजी-खुशी विद्यालय में रहने की बात को फिर से दोहराया। विजय विहार S.H.O. ने तारा के बयान दर्ज कराकर उसको आध्यात्मिक विश्वविद्यालय छोड़ दिया और इस तरह सारे घुसपैठियों द्वारा लगाए गए आरोपों का खंडन हुआ; लेकिन फिर भी पुलिस ने उन घुसपैठों के ऊपर कोई भी कानूनी कार्यवाही नहीं की।

Tara bahan who was out on spiritual service has returned back at 4 PM and immediately she approached the Police Station, Vijaya Vihar and reiterated before

the SHO that she is staying at Adhyatmik Vishwa Vidyalaya happily at her own volition. The SHO has registered her statement and left her back at "AVV" Vijayavihar under police protection. The allegations imposed by the intruders were proved false again. However the police did not initiate any legal proceedings against the intruders who have broken the law and order.

विद्यालय की वरिष्ठ बहन जी प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ज्योति ने पुलिस व घुसपैठों द्वारा आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की कन्याओं-माताओं के साथ किए गए उत्पीड़न की शिकायत दिनांक 24.10.2013 को S.H.O., Vijay Vihar Police Station, DCP, Outer District, Commissioner of Police, New Delhi, National Human Right Commission, New Delhi को पत्र भेजकर की; लेकिन बार-2 पुलिस स्टेशन जाकर अपराधियों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करने का निवेदन करने के बावजूद पुलिस ने एफ.आई.आर. दर्ज नहीं की।

The senior sister of the "AVV" PBK Jyoti has addressed complaints to the SHO, Vijaya Vihar Police Station, , DCP, Outer District, Commissioner of Police, New Delhi, National Human Right Commission, New Delhi wherein the harassment met out by the girls and mothers of the "AVV" by the intruders and the police have been detailed with pain. And despite repeated requests with the police station for registering F.I.R against the criminals, the police did not accede to the request.

विद्यालय की कन्याओं-माताओं के मौलिक अधिकारों का हनन होने की बात पर व्यथित होकर आध्यात्मिक विश्वविद्यालय ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन द्वारा पुलिस व NGO के खिलाफ रिट पिटिशन ¼W.P. (CrI.) No. 1923/2013½ दिल्ली हाई कोर्ट में दायर की व प्रतिपक्ष से आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को जनमानस में धूमिल करना व विद्यालय के सदस्यों को मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने के एवज में मुआवजे की मांग की।

Having pained for the infringement of the right to live peacefully afforded by the Indian Constitution by the intruding NGO, PBK Jyoti Bahan has lodged a criminal writ petition ¼W.P. (CrI.) No. 1923/2013½ in the Delhi High Court and claimed compensation for defamation of the reputed Adhyatmik Vishwa Vidyalaya in the eyes of public and harassing the resident kanyas and matas of the "AVV" physically and mentally.

याचिकाकर्ता ने उक्त रिट दायर कर अपराधी पुलिस के खिलाफ कार्यवाही करने की भी मांग की और आध्यात्मिक विद्यालय की कन्याओं-माताओं को सुरक्षा प्रदान करने की भी मांग की। कोर्ट ने उक्त याचिका को स्वीकार कर प्रतिपक्ष को नोटिस जारी किया व पुलिस को स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का

आदेश दिया। जिसमें स्वयं पुलिस ही अपराधी के कटघरे में खड़ा हो, उसमें पुलिस द्वारा सच्चे स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने की अपेक्षा भी कैसे कर सकते थे !

The petitioner Jyoti Bahan in her writ petition requested to initiate legal petition against the erring police and extended her request to provide protection for the resident girls and mothers of the "AVV family". The court has accepted the petition and a notice has been served on the opposite party and the police was called for the relative status report. How can one expect a true status report wherein the police itself stood in the place of criminals!

आखिर वही हुआ और जस्टिस हिमा कोहली ने दिनांक 11.12.2013 को आदेश जारी किया, जिसमें बड़ी कड़क आवाज़ में पुलिस को डांट लगाते हुए यह निर्देश दिए कि “वे विश्वविद्यालय में किस समय घुसे उसका समय बताएँ व यह भी बताएँ कि जिस विद्यालय में सिर्फ कन्याएँ-माताएँ ही रहती हैं क्या वहाँ कोई लेडीज़ पुलिस उपस्थित थी? और क्या पुरुष पुलिस ऑफिसर्स ने महिला पुलिस को साथ में रखते हुए विद्यालय में प्रवेश किया?”

Justice Hima Kohli has passed orders with warning to the police in a stricter language; “ to advise at which time the police has entered the Vishwa Vidyalaya and whether any lady police were present at the place where only girls and mothers reside ? And did the male police has entered the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya along with the lady police !”

इन सब बातों का स्पष्टीकरण माँगते हुए जज साहब ने पुलिस को अतिरिक्त स्टेटस रिपोर्ट फाइल करने के निर्देश दिए।

Asking for clear report as to the particulars asked for, the police was ordered to file an additional status report.

उक्त केस के कारण कुछ समय के लिए पुलिस का आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के प्रति कार्य व्यवहार में कुछ सुधार हुआ। पुलिस व आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के सदस्यों में सौहार्द व प्रेमभाव बना रहे, इस कारण याचिकाकर्ता ने इस पिटिशन को दिनांक 2.6.2016 को विद्वृत्त कर लिया। लेकिन अतिरिक्त स्टैंडिंग काउंसिल को पुलिस की तरफ से यह Undertaking देनी ही पड़ी कि “पुलिस द्वारा किया गया कोई भी कार्य न्यायसंगत व सूचना देकर ही होना चाहिए”।

Owing to the case involved there was some betterment in the police in their dealings with the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya. The petitioner Jyoti Bahan has however with a view to maintain cordial relations between the police and

Adhyatmik Vishwa Vidyalaya has withdrawn the petition on 02-06-2016. Apart from this, Mr. Ashish Aggarwal, learned Additional Standing Counsel (Criminal) appearing on behalf of the police states that every action taken by the police has to be an informed one and in accordance with law.

हाई कोर्ट का आदेश दिनांक 2.7.2016 इसके साथ संलग्न कर रहे हैं।

An extract of the judgment of the High court is attached.

अंततः झाँसी की तारा ने शरारती तत्वों को करारा जवाब दे ही दिया।

Ultimately, the Tara of Jhansi has given a befitting reply to the miscreants.

\$~14 * IN THE HIGH COURT OF DELHI AT NEW DELHI + W.P.(CRL) 1923/2013 ADHYATMIK ISHWARIYA VISHVA VIDALAYA Petitioner Through : Mr. Shailendra Bhardwaj and Ms. A. Roma, Advs. versus THE COMMISSIONER OF DELHI POLICE & ORS. Respondents Through : Mr. Ashish Aggarwal, ASC (Crl.) with SI Sonu Ram PS Vijay Vihar. CORAM: HON'BLE MR. JUSTICE SIDDHARTH MRIDUL O R D E R % 02.06.2016 Mr. Ashish Aggarwal, learned Additional Standing Counsel (Criminal) appearing on behalf of the police states that every action taken by the police has to be an informed one and in accordance with law. Learned counsel appearing on behalf of the petitioner, after making submissions, seeks leave to withdraw this petition with liberty to institute appropriate proceedings, in accordance with law before the concerned Magistrate. Leave and liberty granted. The present petition is disposed of as withdrawn. SIDDHARTH MRIDUL, J JUNE 02, 2016/dk

पु. नं. 408 पं. 25-10-13

Date: 24/10/2013

The S.H.O,
Vijay Vihar Police Station,
Vijay Vihar, Delhi.

~~Ac~~
25-10-13

Subject: The complaint against Mrs. Parvinder Kaur w/o Prem Chand (Head of Asahay Mahila Shishu Evam Balkalyan Samiti, N.G.O. Ph.no. 9312632513, Address- Pocket 1/181, Sector 23, Rohini) , her associates including some unknown miscreants, Goondas (around 15-20 male members) and Abdul (members of women helpline) for trespassing in the rooms of ladies (spiritual sisters), creating nuisance in the building of spiritual center , abusing, misbehaving and treating cruelly the innocent spiritual Matas and sisters , provoking the general public by maligning the image of the spiritual members in the premises and defying the law and order and thereby breaching fundamental right to privacy of spiritual center in Adhyatmikishwariya Vishva Vidyalaya (in short, A.I.V.V.) and thus harassing them .

Respected Sir,

On 22nd October, 2013, at around 12:30 pm, 4-5 police officials namely- Gajender Singh, Ajay Kumar Singh, Sonu Ram, Govardhan, Rampal, along with only one lady constable, and around 15-20 males and around 8-10 ladies entered from the main gate of the spiritual centre(A.I.V.V.) situated at 351/352, Vijay Vihar Phase-I, Pocket A, Delhi-85. Sister Anita sitting at the reception counter, which is just near the main gate, politely asked them their reason of arrival in such a big number. However, one of the ladies just pushed sister Anita, abused her and all the crowd climbed the staircase and intruded directly in the rooms of spiritual sisters and Matas (around 100 in Number) in the entire building (As per rules of AIVV, even male spiritual

Contd to Pg.2

followers are not allowed to enter in the residential portion of the female members and it is strictly followed by all the followers.)

When 7-8 Gents intruded in a room at first floor where I was alone and doing some cleaning work, I got scared to see so many males in her room and shouted at them that "bina ladies ke aap sab mahilayon ke kamron mein andar kaise aa gaye, reception pe pahle enquiry karni chahiye thi, ye koi dharamshala nahi hai". In response to that one male intruder assaulted me and shouted that "Ek jhapad lagaunga, to chup ho javogi".

Sister Rohini asked the police that do they have any search warrants against us? and what is the complaint against us? But they kept mum. The police didn't show any copy of complaint to us. They have also not shown any search warrants. One of the lady members in their group wearing black jeans and black T-shirt having dark complexion, caught hold of Lakshmi mata's neck and pushed her forcibly when she was requesting to all the trespassers to stop their inhuman behaviour.

All the male intruders were spread in rooms of spiritual sisters who were around 100 in number. Many intruders were touching and making Dhakkamukki with the female spiritual members and also kept on threatening them that "Aasaram Bapu jaise aapko bhi fansa denge. Bhandu fod kar denge sabka."

When sister Girija asked them that where you came from? One of the male member replied that "Sheela Dixit ko jante ho? Ham log vahan se aaye hai, samze....". Some of them intruded in the brother's rooms at the ground floor and they have taken a "First Aid Box" lying in one of the room, they-broke the lock and took it with them. Some brothers requested them to give it back but those miscreants shouted at them and stolen the box. These intruders were not in control of police and the police was made puppet at the hands of these intruders in the garb of female saviour. Many things were looted from the building. One of the person shouted that "Yaha nashe ki davaiya khilayee jati hai, jeebh par injection lagaye jate hai." The other male intruder

started spreading the rumour that "Yaha drugs mil gaya." Someone shouted before all the spiritual sisters that "Yaha rape hote hai." Hearing these dirty things, all the spiritual sisters got ashamed and humiliated. This all hangama was taking place for 2-3 hours continuously which provoked the general public and the general public started gathering in front of main gate of AIVV. These intruders in the garb of saviours of human rights crossed all the limits and they themselves violated the women's right to privacy and maligned the image of AIVV and its lady members in the general public. General public became so much provoked that they started shouting that " Gate tod denge , deewar tod denge."

Two sisters namely ~~Nilima~~ ^{Nilima} and Prashansa who were kept in AIVV by their parents voluntarily were dragged by holding their hair from the spiritual center mercilessly. All the public was watching Tamasha going on. Nilima's father Vijender who is also active member of AIVV reached within 2 hours at AIVV after the said incident but neither AIVV members nor her father knew about whereabouts of his child. Nilima's father and AIVV members kept on searching them everywhere but no one told them her whereabouts. After a long search, they found them in Child Welfare Committee, Rohini.

The behaviour of all intruders was very much rude and inhuman. They didn't have any fear of law. All the sisters in AIVV were afraid of whole scenario took place at the spiritual center.

These male intruders asked female spiritual followers that did they have any problem in Aashram and many sisters replied that "Aap log hi hamare liye bada problem ho, nikal jaiye yahase, mahilavonke rakshake nampe aap sab dhakosla ho. Ladies ke kamrome ghuske battmiji kiyee hai aapne."

Girija Behan has made a P.C.R call at around 12.45 p.m by phone no. 7428918053 but no police approached for half an hour. Aggrieved by this, Girija behan made another P.C.R. call at round 1.15 p.m. complaining them that some miscreants are beating

and doing Dhakka Mukki with female spiritual followers. One another PCR call was made by Pallavi behan at around 3.00 pm by phone No.9212223906 and complained the misdemeanour of general public and intruders.

Thus, the abovesaid intruders have done a serious offense of breaching fundamental rights of the spiritual lady members in AIVV and defamed them, hence they are liable to be punished for the same.

Applicant

P.B.K. Jyoti Gajkwaal
(P.B.K. Jyoti G.)

Ph.No. 9891370007

House No. 351/352,

Vijayvihar, Phase-1,

Pocket-A, Delhi-85.

Copy to: ✓ 1. Deputy Commissioner of police,

✓ 2. Commissioner of Police,

✓ 3. National Human Rights Commission.

SP KCHMI 110030
E02621023001M
Counter No:3.17 Code:OK
Tos:CONSUMER POLICE.



SHIVAPURWA. PIN:110032
From:PM JYOTI . D-05
Wt:22grams.
Amt:17.00 . 25/10/2013 . 15473
Taxes:Rs.2.00(Track on www.indiapost.gov.in)

SP KCHMI 110030
E02621022721M
Counter No:3.07 Code:OK
Tos: H R C.



CHAKUMI WCPA. PIN:110023
From:PM JYOTI . D-05
Wt:22grams.
Amt:17.00 . 25/10/2013 . 15473
Taxes:Rs.2.00(Track on www.indiapost.gov.in)

SP KCHMI 110030
E02621024001M
Counter No:3.07 Code:OK
Tos: C P.



SANER DAGTI. PIN:110034
From:PM JYOTI . D-05
Wt:22grams.
Amt:17.00 . 25/10/2013 . 15473
Taxes:Rs.2.00(Track on www.indiapost.gov.in)

S-14

* IN THE HIGH COURT OF DELHI AT NEW DELHI

+ W.P.(CRL) 1923/2013

ADHYATMIK ISHWARIYA VISHVA VIDALAYA Petitioner

Through : Mr. Shailendra Bhardwaj and Ms. A.
Roma, Advs.

versus

THE COMMISSIONER OF DELHI POLICE & ORS. Respondents

Through : Mr. Ashish Aggarwal, ASC (Crl.) with SI
Sonu Ram PS Vijay Vihar.

CORAM:

HON'BLE MR. JUSTICE SIDDHARTH MRIDUL

ORDER

% 02.06.2016

Mr. Ashish Aggarwal, learned Additional Standing Counsel (Criminal) appearing on behalf of the police states that every action taken by the police has to be an informed one and in accordance with law. Learned counsel appearing on behalf of the petitioner, after making submissions, seeks leave to withdraw this petition with liberty to institute appropriate proceedings, in accordance with law before the concerned Magistrate.

Leave and liberty granted.

The present petition is disposed of as withdrawn.

SIDDHARTH MRIDUL, J

JUNE 02, 2016/dk